केन्द्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग, पटना S1HD2

सत्रान्त परीक्षा, 2017–18

कक्षा - ग्यारहवीं

क्र० सं० 1200 .....

हिन्दी (केंद्रिक)

समय– 3 घंटे] [पूर्णांक–90

सामान्य निर्देश –

(क) प्रश्न पत्र के सभी उपभागों के उत्तर यथासंभव क्रम से लिखें ।

(ख) उत्तर शुरू करने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

खण्ड–'क'

1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 1×5=5

पुरूष हो पुरूषार्थ करो, उठो
पुरूष क्या, पुरूषार्थ हुआ न जो,
हृदय की सब दुर्बलता तजो ।
प्रबल जो तुम में पुरूषार्थ हो,
प्रगति के पथ में विचरो उठो,
पुरूष हो, पुरूषार्थ करो, उठो ।
न पुरूषार्थ बिना कुछ स्वार्थ है,
न पुरूषार्थ बिना परमार्थ है ।
समझ लो यह बात यथार्थ है
कि पुरूषार्थ ही पुरूषार्थ है ।
भुवन में सुख-शांति भरो, उठो ।

Scanned by CamScanner

पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो

न पुरुषार्थ बिना वह स्वर्ग है,

न पुरुषार्थ बिना अपवर्ग है ।

न पुरुषार्थ बिना क्रियता कहीं,

न पुरुषार्थ बिना प्रियता कहीं ।

सफलता वर-तुल्य वरो, उठो ।

पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो ।

न जिसमें कुछ पौरुष हो यहाँ

सफलता वह पा सकता कहाँ ?

अपुरुषार्थ भयंकर पाप है,

न उसमें यश है, न प्रताप है ।

न कृमि-कीट समान मरो, उठो ।

पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो ।

(क) प्रथम अनुच्छेद में कवि ने मनुष्य को क्या प्रेरणा दी है ?

(ख) मनुष्य पुरुषार्थ से क्या-क्या कर सकता है ?

(ग) 'सफलता वरतुल्य वरो उठो-' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) अपुरुषार्थ भयंकर पाप किस तरह है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×5=10

बाजार ने, विज्ञापन ने हिंदी को एक क्रांतिकारी रूप दिया, जिसमें रवानगी है, रोमांच है, आज की सबसे बड़ी चाहत का अकूत संसार है । इस तरह हिन्दी भविष्य की भाषा, समय का तकाजा और रोजगार की जरूरत बनती जा रही है ।

Scanned by CamScanner

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता है सूचना क्रांति ने विश्व को एक ग्राम बना दिया है । मीडिया की जागरूकता ने समाज में एक क्रांति ला दी है और इस क्रांति की भाषा हिन्दी है । इतने सारे समाचार चैनल हैं और सभी चैनलों पर हिन्दी अपने हर रूप में नए कलेवर, तेवर में निखर कर, सँवर कर, लहरकर, 'बोले तो चिंदाम बनकर छाई रहती है ।' तुलनात्मक अर्थों में आज अंग्रेजी-पत्रकारिता से हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य, बाजार, उत्पादन उपभोग और वितरण बहुत बड़ा है ।

प्रिंट मीडिया की स्थिति ज्यादा बेहतर है, पत्र-पत्रिकाओं की लाखों प्रतियाँ रोजाना बिकती हैं । चीन के बाद सबसे अधिक अखबार हमारे यहाँ पढ़े जाते हैं, हिन्दी के संप्रेषण की यह मानवीय, रचनात्मक और सारगर्भित उपलब्धि है । पत्र-पत्रिकाएँ हिंदी की गुणवत्ता और प्रचार-प्रसार के लिए कृतसंकल्प हैं । यह भ्रम फैलाया गया था कि हिंदी रोजगारोन्मुखी नहीं है । आज सरकारी, गैर-सरकारी क्षेत्रों में करोड़ों हिन्दी पढ़े-लिखे लोग आजीविका कमा रहे हैं । भविष्य में हिंदी की बाजार-माँग और अधिक होगी ।

पसीनों में, प्रार्थनाओं में, सिरहानों की सिसकियों में और हमारे सपनों में जब तक हिन्दी रहेगी तब तक वह बिना किसी पीड़ा या रोग के सप्राण, सवाक् और सस्वर रहेगी ।

(क) लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ किसे कहा गया है और क्यों ?

(ख) तुलनात्मक दृष्टि से हिंदी और अंग्रेजी पत्रकारिता में लेखक ने किसे व्यापक माना है और क्यों ?

(ग) हिंदी पर रोजगारपरक न होने का आक्षेप क्यों ठीक नहीं है ?

(घ) बाजार ने हिंदी के स्वरूप को क्या विशेषताएँ दीं जिनसे वह रोजगार की जरूरत बनती जा रही है ?

(ङ) 'प्रिंट मीडिया' से क्या तात्पर्य है ? हिंदी के लिए उसकी पत्र-पत्रिकाएँ क्या कर रही हैं ?

खण्ड – 'ख'

3. किसी एक विषय पर निबंध लिखिए – 10

(क) युवा वर्ग और सामाजिक बुराइयाँ

(ख) जीवन में अनुशासन का महत्व

(ग) स्वतंत्र भारत की उपलब्धियाँ

Scanned by CamScanner

हिंसा प्रधान फिल्मों को देखकर बाल वर्ग पर पड़ने वाले दुष्परिणामों का वर्णन करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए । 5

अथवा

संगीत शिक्षक के पद की उम्मीदवारी के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल, पटना के प्राचार्य को पत्र लिखें ।

5. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए – 1×5=5

(क) जनसंचार क्या है ?

(ख) फीडबैक क्या है ?

(ग) समाचार लेखन के छह ककारों के नाम लिखिए ।

(घ) स्तर क्या है ?

(ङ) डेड लाइन से क्या तात्पर्य है ?

6. गुम होती चहचहाट पर एक फीचर लिखिए । 5

अथवा

'क्रीड़ा दिवस' पर एक सम्पादकीय लिखिए ।

खण्ड–ग

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×4=8

पग घुंघरू बांधि मीरा नाची,
मैं तो मेरे नारायण सूं आपहि हो गई सांची ।
लोग कहैं, मीरा भई बावरी, न्यात कहै कुल नासी ।
विस का प्याला राणा भेज्या, पीवत मीरा हांसी ।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, सहज मिलै अविनासी ।

(क) मीरा अपने पैरों में घुंघरू बांधकर श्रीकृष्ण के सामने क्यों नाची ?

(ख) 'न्यात कहै कुलनासी' से कवयित्री का क्या आशय है ?

Scanned by CamScanner

(ग) मीरा को मारने के लिए राणा ने क्या किया तथा उसका क्या परिणाम निकला ?

(घ) इस पद में मीरा का क्या उद्देश्य व्यक्त हुआ है ?

अथवा

हम तौ एक-एक करि जानां

दोइ कहैं तिन्हीं को दोजग जिन नहिंन पहिचाना ।

एकै पवन एक ही पानी एकै जोति समांनां ।

एकै खाक गढ़ै सब भांडै, एकै कोहरा सांनां ।

जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै, अगिनि न काटै कोई ।

सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरै सरूपै सोई ।

माया देखि के जग लुभाना काहे रे नर गरबाना ।

निरभै भय़ा कछु नहिं ब्यापै, कहै कबीर दिवांना ।

(क) नरक के भागी कौन बनते हैं ?

(ख) कवि ने किन उदाहरणों से सिद्ध किया है कि ईश्वर सर्वव्यापी है ?

(ग) बढ़ई क्या नहीं काट सकता ?

(घ) कैसे व्यक्ति को किसी भी प्रकार का मोह नहीं व्यापता ?

8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2=6

खैर, पैर की जूती जोरू

न सही एक, दूसरी आती

पर जवान लड़के की सुध़ कर

साँप लोटते, फटती छाती ।

(क) काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश की भाषा सम्बन्धी दो विशेषताएँ लिखिए ।

Scanned by CamScanner

अथवा

जब गंभीर तम अर्द्ध-निशा में जग को ढक लेता है ।

अंतरिक्ष की छत पर तारों को छिटका देता है ।

सस्मित वदन जगत का स्वामी मृदु गति से आता है ।

तट पर खड़ा गगन-गंगा के मधुर गीत गाता है ।

(क) काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश का शिल्प सौन्दर्य बताइए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में लिखए – 3×2=6

(क) 'वे आँखें' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए ।

(ख) 'घर की याद' के आधार पर कवि की मानसिक दशा का वर्णन कीजिए ।

(ग) पथिक कविता का उद्देश्य लिखिए ।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3×2=6

आगे भी इस देश में जो प्रधान शासक आए, अंत में उनको जाना पड़ा । इससे आपका जाना भी परंपरा की चाल से कुछ अलग नहीं है, तथापि आपके शासनकाल का नाटक घोर दुखांत है, और अधिक आश्चर्य की बात यह है कि दर्शक तो क्या, स्वयं सूत्रधार भी नहीं जानता था कि उसने जो खेल सुखांत समझकर खेलना आरंभ किया था, वह दुखांत हो जावेगा । जिसके आदि में सुख था, मध्य में सीमा से बाहर सुख था, उसका अंत ऐसे घोर दुख के साथ कैसे हुआ ? आह ! घमंडी खिलाड़ी समझता है कि दूसरों को अपनी लीला दिखाता हूँ । किन्तु पर्दे के पीछे एक और ही लीलामय की लीला हो रही है, यह उसे खबर नहीं !

(क) लेखक ने लॉर्ड कर्जन के भारत छोड़कर जाने को परम्परा की चाल से अलग क्यों नहीं कहा है ?

(ख) दर्शक और सूत्रधार से यहाँ क्या तात्पर्य है ?

(ग) किन्तु पर्दे के पीछे एक और ही लीलामय की लीला हो रही थी ? यहाँ लेखक किस लीला की बात कर रहा है ?

अथवा

Scanned by CamScanner

गाँव का वह मेधावी छात्र शहर के स्कूली जीवन में अपनी कोई पहचान नहीं बना पाया। उसका जीवन एक बँधे बँधाए लीक पर चलता रहा। साल में एक बार गर्मियों की छुट्टी में गाँव जाने का मौका भी तभी मिलता जब रमेश या उसके घर का कोई प्राणी गाँव जाने वाला होता वरना उन छुट्टियों को भी अगले दर्जे की तैयारी के नाम पर उसे शहर में ही गुजार देना पड़ता था। अगले दर्जे की तैयारी तो बहाना भर थी, सवाल रमेश और उसकी गृहस्थी की सुविधा-असुविधा का था। मोहन ने परिस्थितियों से समझौता कर लिया था क्योंकि और कोई चारा भी नहीं था। घरवालों को अपनी वास्तविक स्थिति बताकर वह दुखी नहीं करना चाहता था। वंशीधर उसके सुनहरे भविष्य के सपने देख रहे थे।

(क) गाँव का मेधावी छात्र शहर के स्कूली जीवन में अपनी पहचान क्यों नहीं बना सका ?

(ख) मोहन गर्मियों की छुट्टियों में अपने गाँव क्यों नहीं जा पाता था ?

(ग) मोहन अपने घर वालों को वास्तविक स्थिति क्यों नहीं बताना चाहता था ?

खण्ड–'घ'

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×3=9

(क) 'तालीम को तालीम ही बड़ी चीज होती है' यहाँ लेखक ने तालीम शब्द का दो बार प्रयोग किया है, क्या आप दूसरी बार आए तालीम शब्द की जगह कोई अन्य शब्द रख सकते हैं ? लिखिए।

(ख) 'विचारिए तो, क्या शान आपकी इस देश में थी और क्या हो गई, कितने ऊँचे उठकर आप कितने नीचे गिरे ! आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'गलता लोहा' कहानी का संदेश लिखिए।

(घ) 'नमक का दारोगा' कहानी का कौन सा पात्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों ?

12. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 5×2=10

(क) लेखक ने लता की गायकी की किन विशेषताओं को उजागर किया है ? आपको लता की गायकी में कौन सी विशेषताएँ नजर आती हैं ? उदाहरणसहित लिखिए।

(ख) कुँई की गहराई में चल रहे काम के कारण उत्पन्न गरमी को कम करने के लिए क्या उपाय किया जाता है ?

Scanned by CamScanner

(ग) लता ने करूण रस के गानों के साथ न्याय नहीं किया है जबकि श्रृंगार-परक गाने वे बड़ी उत्कटता के साथ गाती हैं, आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ?

(घ) चेजारों के साथ गाँव समाज के व्यवहार में पहले की तुलना में आज क्या फर्क आया है ? पाठ के आधार पर बताइए ।

13. 'शास्त्रीय संगीत एवं चित्रपट संगीत में क्या अंतर है ? 5

अथवा

दिनों दिन बढ़ती पानी की समस्या से निपटने में यह "राजस्थान की रजत बूँदें" पाठ आपकी कैसे मदद कर सकता है ? देश के अन्य राज्यों में इसके लिए क्या उपाय हो रहे हैं ? लिखिए ।

❊❊❊❊

Scanned by CamScanner